

• निः १४ राजा विजय लक्ष्मी प्रधान द्वारा दिनांकः - 1 FEB 1997

दिनांक:- - 1 FEB 1997

पिलावा पिलार्देह [याप्यमिक] ॥
त्रिशति त्रिशति त्रिशति

ପାତାରୁ ଏ ଲାଗୁ କିମ୍ବା

(249)

विषय :- भारत माझे प्रमाणनाम मंदीरी देण्यार्थी गुप्तारां वाफा

संग्रहीत गया है। यहाँ तक कि विद्युत विभाग के अधीन सम्पर्क विभाग के अधीन रखा गया है।

संक्षेपे:- १] पा कायनियापि त्रादेवा तु माधव-२/८ पुष्टि/८२ द्वि-५३

३] मा. विष्णु तंत्राम. स. रा. दुष्ट-१. यदि वर्ष श. जमाया,

১৯৮৪।৭।২৩৪৪।১৪ ক। ১০-১১-১৫

अपरीक्षा विद्यार्थी तंदर्भ कृ. १ अन्नेपे श्रीनो दद्दु मर्त्य वायस्कृत पुणे या ग्रन्थात
शाब्देत इमारत माझे पुमाणमात्र मंजुर इरण्याच आले छोते. तदर श्रीदेवा संधेता मान्य नतम्
सदर श्रीदेवाविस्त्रद तंत्रेते शासनांकडे अपीति केले छोते. तद्वर अपीताचि तंदर्भात शासनाने
तंयासनासपामार्फत या कायनियात एवं शिखे ली. खारादाढ्डु श्रीत्मद्विनीन रघु.
तोत्रायटी, पुणे द छाची शुष्ठांम सोहम्मद सर्व. द्रुत पुणे या दोन्ही तंस्या केळे वेगव्या उत्तु
रपांचा माझेलह य घरमालक असे तंबंध आवेद. रथायुक्ते तंदर्भ कृ. १ अन्नेपे दिलेले श्रीदेवा दद्दु
छज, तुषारित इमारत माझे पुमाणमात्र मंजुर इरण्यात खेत आले.

तदर शाकेताडी संस्थेसे प्री इमारत शाळ्याने देखा आहे, तया इमारतीधे भेटला
११३१०.०९ घी. गी. अकुल, शार्यारी उभिंवा, पुणे यांनी रु. ४५,५६०.३८ रुपाके दरमध्या
प्रमाणित केले आहे.

सदर पुमाण्मानुतार इमारत माझे प्रत्यक्षा मात्यमिक शास्त्र तंचिता अनुसूचिल
अ-२[१] पुमाणे छातीन अटीच्या अपीन एाहा गंभीर करण्याचा परवाना भेद्यात आहे-
[१] या विषयापासून शाळेयो इमारत प्रत्यक्ष शाकेच्या कसाकाळी पायरात येत आहे रथ
दिपलामासून इमारत माझे अनुकूल साधिल.
[२] इमारत शाळकात सांत्वेसे प्रत्यक्ष माझे ज्ञान केलेले उत्ताप्ये गरव भाष्यापोटी अनुदान
देण्यात याचे.

[३] दातेच यापूर्वी तदर इमारतीत माछपापोटी बाटपाळ्हुन काढी रखण्ग अवा लाली असे तर संस्थेत क्षेत्र डोणा-या इमारत मात्रे अनुदानात इमायोजित करावी.

ધક્કા હોયારા માટે અનુયાન આડ કરેલાની શિલ્પગત વિજ્ઞાદી [ગ્રામ્યાભિવાજ], જિલ્લા
પરિસર, પુષે ધારણે પૂરેશો પરદ્યુદ ગ્રામાની કલા એવાચી એ પદ્ધતિર વિજ્ઞા હોયારા માટે અનુયાન
વિજ્ઞાન સંસ્કૃત આડ કરું.

सर्वेषां तात्पुरा विद्या एवं प्रकाशनम् ।

करना, माम प्रभुमारता नाहि बिद्या। करना, या

દ્વારા ડાયરિંગ કરેલું હતું

३८०

प्रिया श्रमद्वारा दिल्ली

ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାଁନ୍ଧିଜ

四

सामिक्ष्य संपादक विभाग के लिए इस बारे में जानकारी प्राप्त करने का उत्तम साहाय्य करता है।

卷之三

卷之三

MEMORANDUM

විජයම්බාධ්‍යාම

ਅੰਕ ੧੦੭ ਸਾਲ ਵਿਚ ਇਸਤਰੀ ਦੀ ਮੁਹੱਲ ਪਿਆਂ ਵਿਖੇ ਆਉਣਾ।

•**THE END**

କାହାର ପାଦରେ ତାମ ପାଦରେ । ଏହାର ଶ୍ରୀ ପୁରୁଷ ଗାନ୍ଧାରାନ୍ତରୁ ତାମ
କାହାର ପାଦରେ ତାମ ପାଦରେ । ଏହାର ଶ୍ରୀ ପୁରୁଷ ଗାନ୍ଧାରାନ୍ତରୁ [୩-୫]
କାହାର ପାଦରେ ତାମ ପାଦରେ । ଏହାର ଶ୍ରୀ ପୁରୁଷ ଗାନ୍ଧାରାନ୍ତରୁ [୩-୬]

•**१०५४** विश्वामित्र निरुप विश्वामित्र विश्वामित्र की
विश्वामित्र विश्वामित्र विश्वामित्र विश्वामित्र (६)

•FESTYK MISTERIUS MISTERIUS MISTERIUS MISTERIUS MISTERIUS

37. **לְמִזְבֵּחַ תְּמִימָה** וְתְּמִימָה יְמִינָה רַבְנִיָּה וְתְּמִימָה
38. **לְמִזְבֵּחַ תְּמִימָה** וְתְּמִימָה יְמִינָה רַבְנִיָּה וְתְּמִימָה

• • • 6 • • • 871